

विवर्द्धनी ॥ ४ ॥ ॥ लंकन उवाच ॥ शृणु विमलामनः माय इहान
 रुतुर्क ॥ सर्व इह स्वयं लमनः सर्वं लंक विनाशन ॥ ५ ॥ तूयस्मा वा
 दिनागनाः कनादीनां विनाशतः ॥ नाशनं स्मृतिमयं लं मय वा रुमि
 मयि य ॥ ६ ॥ सर्व वा रुग्यानां च ॥ नाशनं सुखवर्द्धनी ॥ श्रद्धा दृष्ट्या
 मितमनः सर्व सावमि मयि य ॥ ७ ॥ सर्व कामार्थ दीमनः वा रुग्यानां
 वर्द्धनी ॥ श्राव इहान वलमनः मूल विद्या शृणु यि य ॥ ८ ॥ यत्नं वीर्यं

१५७ इन्द्राक्षीस्तोत्र आपद हार वैदुष्य भैरवस्तोत्र

वृद्धस्य दधीयन् वमूद्वय ॥ वदूकायतिवेयस्य दायइद्वावलायव ॥ ९० ॥
कृद्धयंगतयस्य ददूकाययूनवद्वय ॥ दधीयन् वमूद्वय मनुवाज
मिमिषिय ॥ १० ॥ मीणाद्वावमिमिदवि जेलाक्षवाति इल्लरी ॥ मयका
यमिमिगर्त सर्वलक्षिसमचिनी ॥ ११ ॥ नर्वसमूद्वतोमनु ॥ सर्वका
मरुलपद ॥ वाजसाम्यक्रमे निव द्वातय ॥ सिद्धिकांक्षिणि ॥ १२ ॥
दिनदिनसहस्रना नर्गवापविवरुथ ॥ सर्वविघ्नविनाशाय सर्वो

पदवलाकय ॥ १३ ॥ दलदिग्वर्धनीकृत्वा गुर्वर्त्तत्वा समाहित ॥ पाप्म
यामपयिकर्या मूलमनुमनस्मवन ॥ १४ ॥ ॥ मनु ॥ ॐ जीवदूका
यन्नायइद्वावलायकृक्कवूवदूकायजी ॥ ॐ निमनु ॥ ॥ मूलमनु
ततः स्मृत्वा दहन्यासैतमान्यस ॥ ॐ लानादिकमाधायै यवमैजा
मूवयवि ॥ १५ ॥ ॐ लानैमूर्द्धि विन्यस्य मूर्ध्वतयवूर्धन्यस ॥ ॐ
धोर्वददयदवि गुध्वामैयविन्यस ॥ १६ ॥ सद्योजानैयददल

विन्यसंक्रमसायनी ॥ अर्ककमलनिविद्धं विन्यद्वययवकी ॥ अर्कन्या
 सविधिं कृत्वा यन्मन्त्रं यद्वयसूधी ॥ समवत्तद्वयमकस्य रत्नयुग
 पितावका ॥ १७ ॥ विद्वत्सतितीतावे कालबुद्धमिवयुगा ॥ यद्य
 (०) द्वावयुगापि पूजयद्वापियुक्तकी ॥ १८ ॥ नातित्रिवरुयनत यद्
 बाहुयुगनाह ॥ अर्कमावीरुयनतः सर्वसुखमाप्नुया ॥ १९ ॥ आय
 राधाग्यमन्त्रेयः पूजयद्वापि सन्मद ॥ रुवीति सन्मदतः पूजकस्यो

पिपूजनात् ॥ नदाविष्टीनदीर्गार्थं नायदीरुयमवच ॥ २० ॥ ॥ श्रीया
 वृत्तवाच ॥ कचष र्देवनाथः श्रावड्द्वयकोमतः ॥ लयावकपिदाद
 वः र्देववः कल्पमूलम ॥ २१ ॥ तस्य नाम सद्गुणानि ययुगान्यवृदा
 निव ॥ सावमूह्यतं वामं नामाष्टगुणकीवद ॥ २२ ॥ आनिर्सीकीरु
 यन्मर्त्यः सर्वइष्टवचि वक्ति ॥ सर्वान्कामानवाप्नोति साधकः सि
 द्विमवच ॥ २३ ॥ ॥ श्रीवृत्तवाच ॥ एतद्द्वयवचामि र्देवव

सममहात्मनः॥ श्रायद्द्वानकस्थं रु. नामाष्टगतमूलम् ॥ २५ ॥ स
र्वपापहर्त्रेयर्थं सत्त्वायद्दिनिवावर्त्त ॥ सर्वकामार्थदेदवि. साधका
नां सुखावहे ॥ २६ ॥ सर्वमंगलमंगली. सर्वसिद्धिप्रदायक ॥ श्राय
कर्त्तृप्राप्ते कर्त्तृ. श्रीकर्त्तृचयसुखी ॥ २७ ॥ नामाष्टगतकस्यास्य कृदाने
ष्टुदाहर्त्त ॥ रुदावर्त्तकानाम. अविर्द्वाय रुन्व ॥ २८ ॥ नष्टवा
हीनयने. श्रुतिवीर्यसमाहिर्त्त ॥ लकीकीलीलकील्य. मिष्टमिष्टो

[illegible]

सुनया कामवा विर्ल ॥ उदवचमदा निष्ठुन. कं गुर्ल वा र्वथा सुथा ॥ ३४
कं गुर्ल वा र्वथा सुथा ॥ ३४. कं गुर्ल वा र्वथा सुथा ॥ ३४. कं गुर्ल वा र्वथा सुथा ॥ ३४
कीर्लिंगदलक ॥ ३५ ॥ उदवका कर्वन्यस्य. गथर्ववकला चर्न ॥ जानू
ना घृष्टवावाव. ऊँघथा वकया यिर्न ॥ ३६ ॥ उल्हथा पाइका सिद्धि वा
दपष्ट सुवध्वर्न ॥ आपादमसुकी चर्व. नापइ ह्वावकी न्यस ॥ ३७ ॥ उल्ह
मरुह सुव. दकि लोदलुका विर्ल ॥ खड्ग हसुया वि माया. घंटा वा

दिनमरुह ॥ ३८ ॥ आग्नया मग्निवर्धु. नेष्टुयां यदि गम्वर्न ॥ वायवा
सर्वरुतक. मीनानवाष्ट सिद्धि दी ॥ ३९ ॥ उल्हथा विर्लन्यस्य. या
तालवौदवपिर्ल ॥ सर्वन्यस्य चदहस्य. खड्ग लवूगमान्यस ॥ ४० ॥
वृद्धमगुष्टथान्यस्य. नरुन्यां तु निर्वी सखी ॥ निर्वीमध्वमथान्यस्या.
नानि आसु रिष्टु लिर्न ॥ ४१ ॥ वक्रालनुक निष्ठायां. तलथा सुष
वानुकी ॥ मांसा सिर्न कवा (ग्रु. कवपष्टदिगम्वर्न ॥ ४२ ॥ उदथ

रुग्णयाथागिनीयनि॥३०॥ धनदाधनदावीच धनवानयुगिरुनवा
 न॥ नागदावानागया॥३१॥ यामक॥३२॥ कयाल॥३३॥ काल॥३४॥ क
 यालमालीन कमनीय॥३५॥ कलानिधि॥३६॥ शिलायनादलन॥३७॥ शि
 लिखीचशिलाकय॥३८॥ शिन॥३९॥ गनया॥४०॥ शिन्॥४१॥ शिन्॥४२॥ शिन्॥४३॥
 वद्रकावद्रक॥४४॥ स्वर्गागववधभवक॥४५॥ रुग्णाध्वक॥४६॥ यलुयनि॥४७॥ शिन्
 क॥४८॥ विवावक॥४९॥ धूर्त्वादिगम्वर॥५०॥ रुवि॥५१॥ यालुस्तावन॥५२॥

यथा नृपति दधुद्व. लंकवपियवा भवथा मरुमहिर्निधीत व्य.
 स्नानवद्व सुभामयथा ॥ ३५ ॥ मरुभाभवथ यथाभवः सर्वयकधित्वीस
 यथा ॥ रुधवा रुधवाधी ॥ ३६ ॥ ह्यतिरुधवात्मक ॥ ३७ ॥ कीकात्मका
 बीमलुव. नागेयस्नायवीगि वान ॥ हरुना मोहनसीरी. मावता ॥ का
 रुतामथा ॥ ३८ ॥ शुद्धनीलाङ्गन यकादेशमूषु विरुषित ॥ बलि दुग्ध
 लि दुग्ध ॥ ३९ ॥ बाला बाल यकाक्रम ॥ ४० ॥ सर्वायकावत् ॥ ४१ ॥ इ

शूरुगनिधविन ॥ कामी कलानिधि ॥ कान्. कामिनीवहा रुदणी ॥ ४२ ॥
 सर्वसिद्धि यदावद्य. सगुर्विगुविनीविन ॥ मरुभाभवथ नाम्ना रुव
 वस्य मरुतात्मन ॥ ४३ ॥ मयात कथितदवि. बहस्य सर्वकामदि ॥ य
 दीय ० तं नामाष्टगत मूठमी ॥ ४४ ॥ नगस्य इविनी किंवि. नवथा
 गरुयगथा ॥ नवरुगरुय किंविन्नमावीर्यमवका ॥ ४५ ॥ नगकृष्णारु
 धी किंविन सापूया ~~मानवा कवि~~ ॥ यातकानरुयनेव

यः यः १० स्तोत्रमूलम् ॥ १३ ॥ मावी रुय बाऊ रुय. तथा जीवाग्निऊ रुय
॥ डो त्याति कमहा धाव. तथा इह सुप्रज्ञ रुय ॥ १४ ॥ वं धन नगथ
धाव. यः यः १० स्तोत्रमूलम् ॥ सर्वेषु लममायाति. रुयै रुवव की रु
नात ॥ अकादल स रु प्री तु पवथ वल मूयत ॥ यः रिसे ध्वय १० द्व वि
सिवत्स वन मीदि न ॥ १५ ॥ म सिद्धि वा प्रयादिष्टा. इले रामा विमा
नव ॥ धत्मा सा रु नि काम रु. ऊयित्वा प्रो प्रया नमदी ॥ १६ ॥ बाऊ

ग रु विना लार्थः जयन्मा साधु कीयदि ॥ बागी वा व रुयै र्वेव. नागयस्य
व लार्थवान ॥ १७ ॥ रुयन्मा स रुयै दिवि. वावम कं गथ निनि ॥ धनार्थ
रु सार्थार्थे. दावार्थ सापिमानव ॥ १८ ॥ य १० द्वा व रुयै यद्वा द्वा वम
कीत थ निनि ॥ धनै व रु स थ दावान प्रो प्रया न्ना लमै लय ॥ बागी वा
न स्य मूयत. वद्धा मूयत वं धनान ॥ ली ना रुया स्य मूयत. दवि स रुय
नर्मै लय ॥ १९ ॥ निगठे ध्वयि थो व ध्वः का बा ग रु नि पाति न ॥ २०

खलार्थधनीषात् ४ यत् ० चैव दिवानिनि ॥ ८२ ॥ या न या न्ममीहिता
 न कामान् स्तां स्ताना प्राप्य सैन यः ॥ मृषकार्थयवैगुद्दी नदय्यस्य
 कस्यचिन् ॥ ८३ ॥ सुकलीनाय न्माय मृगवदमृवद्विन् ॥ दद्यात्
 नमिदं पुन्यं सर्वकामरुल्लसदी ॥ ८४ ॥ इति प्रत्नोत्तनादवि नामा
 धृष्टान्तमूलम् ॥ सतावधैर्नृमिषाद्यः रुवस्यमरुन्मनः ॥ ८५ ॥ ऊ
 जायपय्यारुक्ता सदासर्वध्वनध्वनी ॥ रुववाविषमभारु सदास

[illegible]

कात्यायनी कनिः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥
हृदयाय नमः॥ महात्मनी निवस स्वाहा॥ महात्मनी निवस स्वाहा॥ महात्मनी निवस स्वाहा॥
जिह्वा की कवचाय ई॥ कात्यायनी नमः हृदयाय वी॥ क्रीं मावी ॐ
माय रुद्र॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥
गुहाय वी॥ पीतयसु द्वयं लुगं॥ वामदेसं वज्रध्वनिं दक्षिणेन वंश
दो॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ नां नालीका वरुणिनी॥ यमनवदनां शङ्क

मम सागलसु विनी॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥
महात्मनी॥ नीवी लकी रुदी देवी इति नाम्नीति विष्णुता॥ कात्यायनी महामा
माया रुद्रघटा महात्मनी॥ सावित्री सावगमयत्री वज्राणी वज्रवादिनी॥ ना
नायनी रुद्रकाली रुद्राणी कवचिगता॥ अग्निहाला बोधमुखी कालबा
णी गयस्त्रिनी॥ मधुसूता सरात्री विकटंगी रुद्रादनी॥ महाद्वीपक
कली धावक्या महावला॥ अच्युता रुद्रात्मनी यागहोत्रिवापि यो॥
निवहनी कवलीवः सत्यं यममथर्वी॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥ ॐ ह्रीं क्रीं कवलक वः॥